

19/2/24

पत्रिका प्रेम। धार्मिक अर्थी
स्वयं उपस्थित। इनके साथ एक धार्मिक
पत्र प्रेम का निवेदन किया गया कि
हमारा आकाश के शक्तिमान है। साथ
ही इसलिए हमारी में कोई कार्यवाही
नहीं चाहते हैं। इसी स्वयं पर हमारी
को विज्ञा करने की अनुमति प्रदान की।
साथ ही एक पत्रिका के लिए है।

शास्त्रि रवण

19/2/24

अन ६०५१२

पत्रिका का अवलोकन किया गया।

धार्मिक एवं अर्थी के निवेदन पर आपकी
कार्यवाही होने व प्रमाण के अंगे कोई कार्य
वाही नहीं चाहने के निवेदन पर धार्मिक का
अर्थी एक स्वीकृत किया जाता है। हमारी
को विज्ञा करने की अनुमति ही जारी है। इसी
स्वयं पर पत्रिका में कार्यवाही बन्द की
जाती है। पत्रिका के कलभुक्त होकर
आपके उपर है।

आपके सुनाया गया

१९८७
उपसमूह अधिकारी
श्री विजयनगर